काशी हिन्दू विश्वविद्यालय BANARAS HINDU UNIVERSITY

राजभाषा प्रकोष्ठ

अपील

भारत एक बहुभाषी और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत वाला देश है। देश की सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध बनाने में हिन्दी की उल्लेखनीय भूमिका रही है। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के समय से ही यह सम्पूर्ण भारत को एक सूत्र में बांधने का कार्य कर रही है। इसकी भूमिका और प्रासंगिकता तथा सहजता और सर्वग्राह्यता को ध्यान में रखकर ही स्वतंत्र भारत में 14 सितंबर, 1949 को इसे राजभाषा का दर्जा प्रदान किया गया और तब से यह केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों में काम-काज की अधिकृत भाषा के रूप में प्रयोग में लायी जा रही है। भाषायी क्षेत्र में तकनीकी और प्रौद्योगिकी के विकास के साथ तो यह अभिव्यक्ति का और भी सशक्त और समृद्ध माध्यम बन गयी है। वाट्सएप, ट्वीटर, और टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया पर हिन्दी छायी हुई है।

यह एक सुखद संयोग ही है कि जिस हिन्दी के महत्व और प्रचार-प्रसार की आवश्यकता को आज गंभीरता से महसूस किया जा रहा है, उस हिन्दी की सामर्थ्य को हमारे विश्वविद्यालय के संस्थापक भारत रत्न महामना पं. मदन मोहन मालवीय जी ने बहुत पहले ही पहचान लिया था और इस बात पर जोर दिया था कि जन सामान्य की शिक्षा का माध्यम कभी भी विदेशी भाषा नहीं हो सकती। हमारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 में भी मालवीय जी के उक्त विचार प्रतिध्वनित होते हैं। इससे निःसंदेह हिन्दी सहित अन्य भारतीय भाषाओं के प्रचार-प्रसार को बल मिलेगा।

उन्नत प्रौद्योगिकी के विकास के साथ तो हिन्दी के उपयोग करने वाले लोगों का दायरा और भी विस्तृत हुआ है। यूनिकोड, गूगल इंडिक कीबोर्ड, एवं अन्य ई-उपकरणों यथा- गूगल वाइस टाइपिंग, हिन्दी फांट कनवर्टर, मशीन अनुवाद, ई-महाशब्दकोश इत्यादि के प्रयोग से कंप्यूटर और मोबाइल पर हिन्दी में काम करना और भी सरल हो गया है। यह हिन्दी के सामर्थ्य की स्वीकार्यता ही है कि भारत सरकार की संस्था सी-डैक के साथ-साथ गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी बहुराष्ट्रीय कम्पनियां भी हिन्दी के तकनीकी पक्ष को और अधिक विकसित एवं मजूबत बनाने में जुटी हुई हैं।

हिन्दी-दिवस के अवसर पर आप सभी से अपील है कि राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने हेतु अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए कार्यालय का अधिकाधिक काम-काज हिन्दी में ही करें ताकि हम राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के लक्ष्यों को प्राप्त करने के साथ-साथ हिन्दी की उन्नति में भी सहायक बन सकें।

विश्वविद्यालय के समस्त सदस्यों को **हिंदी दिवस** की बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं।

जय हिन्द !

(राकेश भटनागर)
कुलपति